हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय
Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University
श्रीनगर गढ़वाल (उत्तराखण्ड)–246174
Srinagar Garhwal (Uttarakhand) - 246174
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University)

Ref. No. HNBGU/IIC/2024/006 Date: 26/04/2024

Event Title: Celebrating World Intellectual Property Day

Date: 26/04/2024

Institution's Innovation Council (IIC) of H.N.B. Garhwal University celebrated "World Intellectual Property Day" today in the Department of Pharmaceutical Sciences, Chauras Campus on 26/04/2024.

Prof. C.M. Sharma (Campus Director, H.N.B.G. University) was present as the chief guest at the event. Dr. Sanjay Sharma (Associate Professor, Pondicherry University, Pondicherry) and Dr. Bhaskaran (Assistant Professor, H.N.B.G. University) were distinguished invited speakers.

Dr. Ram Kumar Sahu, President, IIC- H.N.B. Garhwal University delivered welcome speech, and spoke about the importance and need of the IPR in the present times. Dr. Sahu emphasizes the importance of establishing a correlation between research and intellectual property to actively contribute to the progress of the nation.

In the context of intellectual property, Pro. C. M. Sharma highlighted the importance of patents and touched upon various aspects of intellectual property such as copyright and trademarks.

Professor Ajay G. Namdeo provided a comprehensive explanation of invention, using laboratory experiments as examples, and highlighting the significance of avoiding plagiarism.

Dr. Sanjay Sharma, the keynote speaker, discussed various topics including the economy, the industrial sector, the importance of knowledge for development, patents and the global knowledge economy, innovation, scientific research and shared personal insights and lessons learned from experience while explaining the research.

Dr. Bhaskaran explained the types of property, highlighting the importance of IPR, and then explained the concept of patent, copyright and trademark.

Dr. Ram Kumar Sahu, Dr. Vineet Kumar Maurya, Dr. Bibhishan Roy, Dr. Bhupendra Kumar, Prof. Abdul Faruq, Dr. Ajay Semalty, Dr. Somesh Thapliyal, Dr. L. Mohanty, Dr. Ritu Mishra, Dr. Gaurav Joshi, Dr. Mukesh Maithani, Dr. Charan Singh, and Dr. Shikha Dubey were present in the event.

Dr Ram Kumar Sahu
President,
Institution's Innovation Council (IIC)
HNB Garhwal University (A Central University),
Srinagar Garhwal-246176, Uttarakhand

Dr Bibhisan Roy
Convener,
Institution's Innovation Council (IIC)
HNB Garhwal University (A Central University),
Srinagar Garhwal-246176, Uttarakhand

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय के चौरास परिसर में फार्मास्यूटिकल्स साइंस विभाग द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा दिवस कार्यक्रम किया आयोजित

गबर सिंह भंडारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के चौरास परिसर के फार्मास्यूटिकल साइंस विभाग में आईआईसी,द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रो.सी.एम.शर्मा कैंपस डायरेक्टर, हेमवंती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय मुख्य अथिति के रूप में मौजूद रहे। मुख्य वक्ताओं में डॉ.संजय शर्मा (एसोसिएट प्रोफेसर पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय, पॉन्डिचेरी) एवम डॉ0भास्करन असिस्टेंट प्रोफेसर,हेमवंती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय शामिल रहे।

आईआईसी-गढ़वाल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ.राम कुमार साहू ने कार्यक्रम का प्रारम्भ करते हुए वर्तमान समय बौद्धिक सम्पदा एवं पेटेंट के महत्व को बताया। डॉ.साहू ने बताया कि आज अपने शोध को बौद्धिक सम्पदा से जोड़कर करने की आवश्यकता है जिससे कि पटेंट आदि के द्वारा देश के विकास में सहायक मिले और देश के शोध को दुनिया पहचाने द्य

कार्यक्रम में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस से जुड़ी चर्चा में कुछ प्रमुख बिंदु इस प्रकार रहे।

प्रो.सी.एम.शर्मा ने पेटेंट की अहमियत को बौद्धिक संपदा के संदर्भ में उजागर करते हुए कॉपीराइट, ट्रेड सीक्रेट्स इत्यादि पर चर्चा करी।

प्रो.अजय नामदेव ने इनोवेशन को लेबोरेट्री एक्सपेरिमेंट्स पर बात करते हुए उदाहरणों से समझाया और प्लेजियरिज्म के महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता,डॉ.संजय शर्मा द्वारा अर्थव्यवस्था,औद्योगिक क्षेत्र,ज्ञान का विकास की कुंजी होना,दुनिया-भर में पेटेंट और ज्ञान संचालित अर्थव्यवस्था और नवाचार और वैज्ञानिक जांच पर चर्चा करी और शोध को समझाते हुए अनुभव से प्राप्त ज्ञान पर आख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ.भास्करन द्वारा संपत्ति के प्रकारों के बारे में बताया गया जिससे बौद्धिक अमूर्त संपत्ति के महत्व पर प्रकाश डाला गया और इसके पश्चात कॉपीराइट की अवधारणा को समझाया गया।

कार्यक्रम में डॉ.राम कुमार साहू, डॉ.विनीत कुमार मौर्य, डॉ.विभीषण रॉय,डॉ.भूपेंद्र कुमार, प्रो.अब्दुल फारुख, डॉ.अजय सेमेल्टी, डॉ.सोमेश थपलियाल, डॉ.एल .मोहंती, डॉ.ऋतु मिश्रा,डॉ.गौरव जोशी, डॉ.शिखा दूबे उपस्थित रहे।

शोध को बौद्धिक सम्पदा से जोड़कर कार्य करने की आवश्यकता

- छात्रों को बौद्धिक सम्पदा एवं पेटेंट का महत्व बताया

श्रीनगर(शाह टाइम्स)। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के चौरास परिसर के फार्मास्यूटिकल साइंस विभाग में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बौद्धिक सम्पदा एवं पटेंट के महत्व के बारे में बताया। शुक्रवार को गढ़वाल विवि के आईआईस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि चौरास परिसर के निदेशक प्रो. सीएम शर्मा ने हर व्यक्ति को अपने भौतिक धन (फिजिकल प्रापर्टी) को समझना होगा। यह ऐसी संपदा है, जिसका वह स्वयं स्वामी होता है।

इसे ही हम बौद्धिक संपदा कहते हैं। बौद्धिक संपदा के अधिकार को समझेंगे तो इसका इस्तेमाल भी कर सकेंगे। इस मौके पर बतौर मुख्य वक्ता पॉन्डिचेरी विवि के डॉ. संजय शर्मा ने अर्थव्यवस्था, औद्योगिक क्षेत्र, ज्ञान का विकास की कुंजी होना और नवाचार और वैज्ञानिक जांच पर चर्चा की। गढ़वाल विवि के आईआईसी के अध्यक्ष अध्यक्ष डॉ. राम कुमार साहू ने वर्तमान समय बौद्धिक सम्पदा एवं पटेंट के महत्व को बताया द्य डा. साहू ने बताया कि आज अपने शोध को बौद्धिक सम्पदा से जोड़कर करने की आवश्यकता है। प्रो. अजय नामदेव ने प्लेजियरिज्म के महत्व पर प्रकाश डाला। गढ़वाल विवि के डॉ. भास्करन ने संपत्ति के प्रकारों के बारे में बताया।इस मौके पर डा. विनीत कुमार मौर्य, डा. विभीषण रॉय, डा. भूपेंद्र कुमार, प्रो. अब्दुल फारुख, डा. अजय सेमेल्टी, डा. सोमेश थपलियाल, डा. एल मोहंती, डा. ऋतु मिश्रा, डा. गौरव जोशी, डा. शिखा दूबे सहित आदि मौजूद थे।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस पर गढ़वाल विवि चौरास परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करते निदेशक प्रो. सीएम शर्मा एवं अन्य फैकल्टियां, शोध छात्र ● जागरण

बौद्धिक संपदा को लेकर पेटेंट कराना महत्वपूर्ण : प्रो. शर्मा

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के चौरास परिसर स्थित फार्मास्यूटिकल साइंस विभाग में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विवि चौरास परिसर निदेशक प्रो. सीएम शर्मा ने कहा कि बौद्धिक संपदा को लेकर पेटेंट कराना महत्वपूर्ण है। कापीराइट, ट्रेड सीक्रेस सहित अन्य मुद्दों पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता पुडुचेरी विवि के एसोसिएट प्रोफेसर डा. संजय शर्मा ने नवाचार और विभिन्न वैज्ञानिक शोध को अर्थव्यवस्था के संदर्भ में बताते हुए शोध कार्यों के अपने अनुभवों को साझा किया। गढ़वाल केंद्रीय विवि के डा. भास्करन ने कापीराइट की अवधारणा पर भी प्रकाश डाला।

आइसी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डा. रामकुमार साहू ने कहा कि शोध को बौद्धिक संपदा से जोड़ने की जरूरत है। पेटेंट के माध्यम से देश के शोध कार्यों को दुनिया में विशिष्ट पहचान मिलती है। प्रो. अजय नामदेव ने लैबोरेटरी एक्सपेरीमेंट्स के संदर्भ में इनोवेशन को उदाहरणों के साथ समझाया।

प्लेजियरिज्म के महत्व पर भी प्रो. नामदेव ने प्रकाश डाला। इस मौके पर डा. विनीत मौर्य, डा. विभीषण राय, डा. अजय सेमल्टी, डा. भूपेंद्र कुमार, प्रो. अतुल फारुख, डा. सोमेश थपलियाल, डा. एल मोहंती, डा. ऋतु मिश्रा, डा. गौरव जोशी, डा. शिखा दुबे उपस्थित थे।

ट्रैकिंग के लिए अनुकूल है ग

जागरण संवाददाता उत्तरकाशी : गंगोत्री

GPS Map Camera
Naur, Uttarakhand, India
6RF2+RWV, Madhi Chauras, Naur, Srinagar, Uttarakhand 249161, India
Lat 30.224662°
Long 78.802039°
26/04/24 11:41 AM GMT +05:30
Google

Why and How to Conduct
Research & Protect Innovations:
A Critical Reflection
GPS Map Camera
Naur, Uttarakhand, India
6RF2+RWV, Madhi Chauras, Naur, Srinagar, Uttarakhand 249161, India
Lat 30.224662°
Long 78.802057°
26/04/24 12:10 PM GMT +05:30
Google